भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4556

जिसका उत्तर 20 अगस्त, 2025 को दिया जाना है ।

29 श्रावण, 1947 (शक)

बजट में वैश्विक क्षमता केंद्र

4556. एडवोकेट चन्द्र शेखरः

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या बजट 2025-26 में सरकार का ध्यान उद्योग 4.0 और वैश्विक क्षमता केंद्रों में उच्च-कौशल वाले तकनीकी पारिस्थितिकी प्रणालियों को प्राथमिकता देने पर है, पर साथ ही यह अनुसूचित जानि (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदायों के प्रचलित पारंपरिक कौशल अमना की अनदेखी करता है; और

(ख) आईएमएफ/विश्व बैंक द्वारा उच्च एससी/एसटी/ओबीसी आबादी वाले राज्यों में समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को कम करने पर बल देने सहित सरकार किस प्रकार इन समूहों के लिए लक्षित डिजिटल कौशल और उद्यमिता कार्यक्रमों को एकीकृत करेगी?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) और **(ख):** नेशनल एसोसिएशन ऑफ सॉफ्टवेयर एंड सर्विसेज कंपनीज (नैसकॉम) के अनुसार भारत में 1700 से अधिक जीसीसी कार्यरत हैं । पिछले 5 वर्षों में इन जीसीसी द्वारा अर्जित कुल राजस्व 9.8% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) के साथ वित्त वर्ष 2019 में 40.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वित्त वर्ष 2024 में 64.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है। जीसीसी बुनियादी कार्यों के लिए सहायता केंद्रों से बढ़कर अनुसंधान एवं विकास तथा डिज़ाइन केंद्रों के रूप में विकसित हुए हैं। कुल मिलाकर, ये जीसीसी देश में 19 लाख से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करते हैं।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने "फ्यूचरस्किल्स प्राइम (रोजगार के लिए आईटी मैनपावर के री-स्किलिंग/अप-स्किलिंग का कार्यक्रम)" नामक एक कार्यक्रम शुरू किया है, जिसका उद्देश्य नई/उभरती प्रौद्योगिकियों में भारतीय कार्यबल/नौकरी के इच्छुक लोगों की री-स्किलिंग/अप-स्किलिंग करना है। फ्यूचरस्किल्स प्राइम कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर पर डिजिटल कौशल प्रशिक्षण के लिए 'एग्रीगेटर्स के एग्रीगेटर' दृष्टिकोण का अनुसरण करता है। भारतीय और वैश्विक प्रदाताओं की ऑनलाइन सामग्री फ्यूचरस्किल्स प्राइम पोर्टल पर एकत्रित की जाती है और उम्मीदवारों को उनकी योग्यता और आकांक्षाओं के अनुरूप कभी भी, कहीं भी सीखने की सुविधा के लिए उपलब्ध कराई जाती है। फ्यूचरस्किल्स प्राइम कार्यक्रम के तहत अब तक 23.24 लाख से अधिक उम्मीदवारों ने पोर्टल पर पंजीकरण कराया है जिनमें से 14.08 लाख से अधिक उम्मीदवार विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकित/प्रशिक्षित हैं जिनमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग समूह के लोग शामिल हैं।

भारत सरकार के कौशल भारत मिशन (एसआईएम) के अंतर्गत, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत कौशल विकास केंद्रों के व्यापक नेटवर्क के माध्यम से कौशल, री-स्किलिंग और अप-स्किलिंग प्रशिक्षण प्रदान करता है। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) और शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के माध्यम से, देश भर में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग सहित समाज के सभी वर्गों को निम्नानुसार प्रशिक्षण प्रदान करती है:

योजना(योजनाएं)	**अनुसूचित जाति**	**अनुसूचित जनजाति**	**अन्य पिछड़ा वर्ग**
पीएमकेवीवाई (2015-16 से 30.06.2025 तक)	21,89,457	8,12,093	55,39,265
जेएसएस (2018-19 से 31.03.2025 तक)	7,75,958	4,11,876	11,45,044
एनएपीएस (2018-19 से 30.06.2025 तक)	4,94,045	1,87,277	11,94,239
सीटीएस (आईटीआई) (सत्र 2018 से 2024)	20,54,537	7,50,164	43,17,245

इसके अलावा, एमएसडीई कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों को उद्योग 4.0 के साथ-साथ वैश्विक क्षमता केंद्रों की नई-युग/भविष्य की कौशल आवश्यकताओं के साथ संरेखित कर रहा है:

(i) एमएसडीई के तत्वावधान में प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) ने एआई/एमएल, मेक्ट्रोनिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, साइबर सुरक्षा, सेमीकंडक्टर आदि जैसे उभरते क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आईटीआई और एनएसटीआई में शिल्पकार प्रशिक्षण योजना के तहत नए युग/भविष्य के कौशल पाठ्यक्रम शुरू किए हैं।

(ii) सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) मोड में अहमदाबाद और मुंबई में स्थापित भारतीय कौशल संस्थान (आईआईएस) उद्योग के लिए उद्योग-तैयार कार्यबल का एक पूल बनाने के लिए प्रशिक्षण प्रदान करते हैं, जो अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और व्यावहारिक प्रशिक्षण से लैस होते हैं।

(iii) डीजीटी ने राज्य और क्षेत्रीय स्तर पर संस्थानों के लिए उद्योग संपर्क सुनिश्चित करने हेतु आईबीएम, सिस्को, माइक्रोसॉफ्ट, अमेज़न वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) और फ्यूचर स्किल राइट्स नेटवर्क जैसी आईटी प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। ये साझेदारियाँ आधुनिक प्रौद्योगिकियों में तकनीकी और व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण के प्रावधान को सुगम बनाती हैं।

(iv) पीएमकेवीवाई 4.0 में नए युग के कौशल जैसे एआई/एमएल, वेब 3.0, आईओटी आदि पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जिन्हें विशेष रूप से आगामी बाजार की मांग और उद्योग की आवश्यकताओं के लिए डिज़ाइन किया गया है।

एनएपीएस के तहत, निजी प्रतिष्ठान एआई/एमएल सहित डिजिटल कौशल से संबंधित नामित और वैकल्पिक ट्रेडों में प्रशिक्षुता प्रदान करते हैं।

*****